

Written by शोषमणि पाण्डेय और बीन मशिर
Friday, 29 September 2017 21:17

: 00000000 0000000000-00000 0000 000000 000000 00 000000000 0000 00 0000000 0000 00
00000 00000 00000000 00000000 000000 000000 : 0000 0000000000 00 000000 00 00000000
00 00 000000000 0000 00000000000000 0000000000 00 0000 000000 0000, 00 00000000-0000 00
000000000 :
00000000 0000000000 00 000000 0000000



00000000 : मधुबनी क्षेत्र के मैथिली संस्कृति में महा कन्न-ज्वानी वदियापति और उनके संस्कृति के पहरू 200 साल बाद भी आज भी चमत्कार करते हैं और यह यू ही मजाक में नहीं है कि वदियापति और मैथिली संस्कृति दरभंगा से सैकड़ों मील दूर घर-घर गायी-सुनायी जाती है। लेकिन दैनिक जागरण ने शायद तय कर रखा है कि वे क्षेत्र में इस महान वदियापति सम्राट की केशशियों और मैथिली संस्कृति को छिन्न-भिन्न करके ही दम छोड़ा जा गा।

ताजा मामला है गरबा- डांडिया के गुजरात का धर्म से शुरू, लेकिन बाद में धर्म के पूरी तरह वसिर्जति कर देने वाला यह पर्व पहले तो महाराष्ट्र और उसके बाद दिल्ली जैसे बड़े महानगरों में उसने अपनी पैठ जमाने शुरू कर दिया। कहने की जरूरत नहीं कि मुंबई महाराष्ट्र और गुजरात में गरबा यानी डांडिया पर्व फ्री-सेक्स का कबहुत बड़ा उन्मुक्त मेला माना जाने लगा है। इन इलाकों में यह पर्व कऐसा मेला केतौर पर स्थापित होता जा रहा है, जो खुले और उन्मुक्त यौनाचार से ढंक चुका है।

000000000000 00 000000 000000 00 000000 00 0000 00000000 00000 00 000000 000000 :-

[00000000 000000000000](#)

आपके बता दें कि सरकारी दावों के अनुसार उस दौरान गर्भपात की संख्या या कई गुना बढ़ जाती है और गर्भनरोधक दबाव तथा उपकरणों की बिक्री कई सौ गुना तक बढ़ जाती है। यहां आपके बता दें कि बिहार और यहां के मैथिली क्षेत्र ऐसे यौनाचार से कसों दूर ही रहते हैं, जहां उन्मुक्त यौनाचार की गुंजाइश सर्वाधिक होती है। मुझे मल्लि खबरों के अनुसार दरभंगा और मैथिली के नाम पर मशहूर इस क्षेत्र में ऐसे कदाचार और भ्रष्टाचार से कसों दूर है। मैथिली क्षेत्र पढ़ाई लरिखा समाज माना जाता है।

लेकिन पछिले सतिंबर दैनिक जागरण पे दरभंगा में जसि तरह गरबा और डांडिया का बड़ा आयोजन किया वह मैथिली संस्कार के कफे चक्काचूर करने वाले षड्यंत्रों में से एक है। जागरण ने फल्लिमी अदाकारा संभावना सेठ और उनके समूह के लड़कियों के रात भर नचाया। कम कपड़ों में और बेहूदा तथा अश्लील संकेताक्षर और मुद्राओं के चलते पूरा मैथिली क्षेत्र उत्तेजित होता है। हो हल्ला हुआ शोर उल्लू हुई धमाचौकड़ी हुई और इस दौरान बिहार और मैथिली

Written by शेषमर्णपिण् डेय और बी न मशिर्
Friday, 29 September 2017 21:17

संस्कृति लहलुहान होती रही

तस्दीकदेखने केला तस्दीककेला मुझे लगता है यह नमिन् फोटो ही पर्याप्त होंगी